Demand for implementation of **reservation policy in P.G.I.M.S., Chandigarh**

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय ,पी.जी .आई.एम.एस . चंडीगढ़ में केन्द्र सरकार द्वारा प्रावधानित "अन्य पिछड़ा वर्ग" अर्थात ओ.बी.सी .के लिए आरक्षण की अवहेलना की जा रही है। इस दृष्टिकोण से संस्थान के कई विभागों में तदर्थ एंव ठेके अर्थात प्रसंविदा के रुप में कई व्यक्तियों को व्याख्याता तथा सहप्राध्यापक एंव अन्य पदों पर नियुक्त कर रखा गया है ,ताकि अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित पदों को विहित प्रक्रिया को निष्पादित कर ,सामान्य कोटि मे समायोजित कर तदर्थ रुप से ठेके पर नियुक्त व्यक्तियों की सेवा को नियमित किया जा सके। आरक्षण के इस प्रावधान की अवहेलना करने तथा एक सुविचारित रणनीति के अंतर्गत आरक्षण को नकारने का यह एक खतरनाक और गंभीर प्रयास है ,जिसे न सिर्फ रोका जाना चाहिए ,बल्कि सख्ती से आरक्षण विरोधी इस प्रवृत्ति पर पाबंदी लगायी जानी चाहिए। संस्थान के शिशु विभाग ,हड्डी विभाग और ईएनटी विभाग का ऐसा मामला प्रकाश में आया है ,किन्तु विभागों और फैकल्टियों में भी यह सिलसिला विद्यमान है। शिशु विभाग में तो संस्थान द्वारा प्रकाशित विज्ञापन संख्या 2003/7के आलोक में ओबीसी कोटि के सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति के लिए 11दिसम्बर 2005को अन्तर्वीक्षा भी ली गयी। निर्धारित अर्हता और योग्यता के आलोक में उम्मीदवार का चयन भी कर लिया गया किन्तु चयनित उम्मीदवार की नियुक्ति नहीं की गयी ,जबकि एम्स ,नई दिल्ली से एक्सटर्नल ने अन्तर्वीक्षा ली थी। कारण स्पष्ट है कि ओबीसी का उपयुक्त उम्मीदवार न मिलने के आधार पर इस आरक्षित पद को सामान्य कोटि में समंजन करने की एक मंशा है। अत :मैं इस विषय की सरकार से जांच कराने एंव पीजीआईएमएस चंडीगढ़ में आरक्षण के प्रावधान को कार्यान्वित करने की सुनिश्चित व्यवस्था कराए जाने की मांग करता हूं। धन्यवाद ।

Need to produce compost organic manure from non-milch old animals

SHRI SURYAKANTBHAI ACHARYA (Gujarat): Sir, the cattle population of the country is estimated to be 29 crores. Considering average availability of dung from an animal @ six kilogram per day, we would get nearly 17.28 lakh metric tonne of dung per day and 63.072 crores metric tonne of dung per year.

Sir, one kilogram of dung produces 20 kilogram of compost manure by adopting NADEP method. Even if we consider seven kilogram of compost of organic manure from one kilogram of dung, the total production would be 449.49 crore metric tonne of compost organic manure per year.

Sir, at present, the cultivable land in the country is put at 15 crore hectares. If 10 tonnes of compost organic manure is needed per hectare of land, the need would be only 150 crore metric tonne of compost organic manure. This would eliminate the use of chemical fertilizers, insecticides and pesticides, save valuable" foreign exchange, preserve fertility of land and give better quality of agricultural products, fruits and vegetables.

Sir, one old non-milch animal would product 48 tonnes of compost organic manure which win fetch Rs.48,ooo per year. The maintenance expenditure of an animal would not be more than Rs.18,000 per year. Thus, one animal can generate an income of Rs.30,000 per year. I request the Government to take initiative in this direction.

Demand to stop obscene dance In a restaurant of hotel Ashok New Delhi

श्री कृपाल परमार (हिमाचल प्रदेश) **:** उपसभापति महोदय ,मैं आपके माध्यम से सदन और देश का ध्यान दिल्ली के चाणक्यपुरी क्षेत्र में स्थित अशोक होटल में चल रहे मैशरीबा रेस्तरां ,जो विशेष रुप से लेबनानी भोजन के लिए जाना जाता है ,की तरफ दिलाना चाहता हूं ,जिसमें बैले नृत्य होता है ,जो अश्लीलता की हदों को पार कर जाता है । इस रेस्तरां में अनेक देशी और विदेशी पर्यटक शाम से ही जुटने शुरु हो जाते है ,जिनके समक्ष यह डांस होता है।

मान्यवर ,पर्यटन को बढ़ावा देने के नाम पर जो नृत्य इस रेस्तरां में होता है ,वह भारत की संस्कृति से बिलकुल मेल नहीं खाता ,बल्कि भारतीय संस्कृति रीति ,नीति और परंपराओं के साथ खिलवाड़ है। इस नृत्य की आड़ में अन्य अनेक कुरीतियां एंव धंधे भी पनप रहे हैं। यह विदेशी पर्यटकों के बीच में भारतीय संस्कृति का खुल्लमखुल्ला अपमान है।

मान्यवर ,एक तरफ तो महाराष्ट्र के मुम्बई एंव अन्य प्रमुख शहरों में चल रहे रेस्तराओं में वहां की सरकार डांस बारों को बंद करके भारतीय संस्कृति की रक्षाअ करने का सराहनीय कार्य कर रही है ,वहीं दूसरी ओर दिल्ली के अति विशिष्ट क्षेत्र में ,टीक भारत सरकार की नाक के नीचे ,एक सरकारी लोक उपक्रम के होटल के रेस्तरां में बैले नृत्य के बहाने भारतीय संस्कृति और उसकी धरोहर का खुल्लमखुल्ला उपहास किया जा रहा है। यह भारतीय संस्कृति पर बदनुमा दाग के समान है।

महोदय ,मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार के पर्यटन मंत्री महोदय से निवेदन है कि वे इस प्रकरण की जांच कराएं और इस प्रकार के अश्लील नृत्य को तत्काल बंद कराएं और यह भी सुनिश्चित करें कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं देश के किसी भी होटल एंव रेस्तंरा में न हों।

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश) **:** महोदय ,मैं इस विषय से स्वंय को समद्ध करती हूं।

श्री सुरेश भारद्वाज (हिमाचल प्रदश)**:** महोदय ,मैं भी इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

C.G.H.S. facilities In Goa

SHRI SHANTARAM LAXMAN NAIK (Goa): Sir, Central Government Health Services,'all said and done, has served various categories of patients covered by the scheme, from time to time. It is true that there are several malpractices discovered in the implementation of the scheme. Necessary enquiries are going on in the matter for identifying the malpractices and other irregularities.